खबर संक्षेप

सीएमओ ने प्रगतिरत विकास कार्यों का किया निरीक्षण

शहडोल। जिला मुख्यालय की मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती आषा भंडारी ने नगरपालिका अंतर्गत किये जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों, उपयंत्रियों एवं ठेकेदारों को निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए । मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने कोटमा में प्रस्तावित नवीन बस स्टैंड का अवलोकन किया। बस स्टैंड निर्माण की वर्तमान प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्य में अपेक्षित तेजी लाने तथा सभी तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहडोल के वार्ड क्रमांक 2 में प्रस्तावित सामुदायिक भवन स्थल का निरीक्षण किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा कि सामुदायिक भवन स्थानीय नागरिकों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु सुविधा मिलेगी। साथ ही सीएमओ ने वार्ड क्रमांक 1 स्थित संजीवनी क्लीनिक, पुराना नगर पालिका कार्यालय से पुलिस लाइन ग्राउंड के आगे तक सीसी रोड निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया एवं सडक़ निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देष संबंधित एजेंसी को दिए गए।

निःशुल्क पिंक ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का किया गया आयोजन

शहडोल। महिला बाल विकास विभाग एवं परिवहन विभाग के समन्वय से शासकीय नेहरू महाविद्यालय बुढ़ार में निःशुल्क पिंक ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। पिंक ड्राइविंग लाइसेंस कैंप में सहायक संचालक महिला बाल विकास श्रीमती संजीता भगत द्वारा शासकीय नेहरू महाविद्यालय बुढ़ार जिला शहडोल में निःशुल्क पिंक ड्राइविंग लाइसेंस कैंप के माध्यम से कॉलेज में उपस्थित दूर दराज से आए हुए बालक बालिकाओं को लर्निंग लाइसेंस के बारे में बताया गया एवं ड्राइविंग लाइसेंस होने पर ही वाहन चालने की समझाइष दी गई। उन्होंने बताया कि ड्राइविंग लाइसेंस आपके सुरक्षा एवं पहचान का भी आधार है। कैंप में श्रीमती नीलमणि भगत परिवहन विभाग, महाविद्यालय के डॉ. जयशंकर सिंह, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. अनूप कुमार सेन, श्रीमती रामकुमारी पाण्डेय पर्यवेक्षक, भानुप्रिया केसवर्कर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दागी अतीत, विधानसभा में गूंजी शिकायतें, फिर भी कुर्सी पर फेविकोल सा कब्जा

शहडोल आरटीओः भ्रष्टाचार और मनमानी का हॉटस्पॉट!

शहडोल। शहडोल क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इन दिनों सुशासन के दावों की धज्जियां उड़ाने वाला सबसे बड़ा अड्डा बन चुका है। भ्रष्टाचार, मनमानी और प्रशासनिक तानाशाही का आलम यह है कि जो मामला अब तक स्थानीय गलियारों में दबी जुबान में चर्चा का विषय था, वह अब मध्यप्रदेश विधानसभा की चौखट तक पहुंच चुका है। जिस आरटीओ अधिकारी पर विभाग के मुखिया (परिवहन मंत्री) ने सदन में शिकायतों की पुष्टि कर दी हो, जिसकी दो-दो वेतन वृद्धियां रोकी जा चुकी हों और जो पूर्व में निलंबन का स्वाद चख चुकी हों, उनका शहडोल की कुर्सी पर अब तक जमे रहना प्रशासनिक नैतिकता पर सबसे बड़ा तमाचा है।

विधानसभा में फूटा शिकायतों का बम

सदन के पटल पर प्रश्न क्रमांक 2336 के जवाब ने यह साफ कर दिया कि शहडोल आरटीओ में सब कुछ ऑल इज वेल नहीं है। परिवहन मंत्री ने खुद स्वीकार किया कि 17 जून 2025 से यहां पदस्थ महिला अधिकारी के विरुद्ध चार गंभीर शिकायतें दर्ज हैं और उनकी जांच चल रही है। यह महज आरोप नहीं, बल्कि सरकारी दस्तावेज का हिस्सा बन चुके हैं। सवाल यह उठता है कि क्या विभाग किसी बड़े विस्फोट का इंतजार कर रहा है या फिर शिकायतों की जांच के नाम पर केवल समय काटने का खेल चल रहा है?

बिना बताए विदेश यात्रा और निलंबन का इतिहास

मैडम की कार्यप्रणाली का इतिहास भी काफी संगीन रहा है। भोपाल पदस्थापना के दौरान शासन की अनुमति के बिना सात समंदर पार (विदेश यात्रा) की सैर करने वाली इस अधिकारी को पहले ही सस्पेंड किया जा चुका है। इतना ही नहीं, अनुशासनहीनता के चलते उनकी दो वेतन वृद्धियां भी असंचयी प्रभाव से रोकी गई थीं। लेकिन हैरत की बात यह है कि ऐसे दागी रिकॉर्ड के बावजूद उन्हें शहडोल जैसे महत्वपूर्ण संभाग की कमान सौंप दी गई। क्या परिवहन विभाग के पास ईमानदार अफसरों का अकाल पड़ गया है?

शहडोल में नो एंट्री, अनूपपुर में वेलकम

शहडोल आरटीओ कार्यालय अब जनता की सुविधा के लिए नहीं, बल्कि असंतोष का केंद्र बन गया है। आलम यह है कि यहाँ काम कम और दाम ज्यादा की चर्चा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शुल्क दोगुने-तिगुने वसूले जा रहे हैं, लेकिन काम कछुए की चाल से भी धीमा है। विभागीय बेरुखी का नतीजा यह है कि शहडोल के लोग अब अपने परमिट, नवीनीकरण और पंजीयन के लिए पड़ोसी जिले अनूपपुर की शरण ले रहे हैं। एक संभाग मुख्यालय के लिए इससे ज्यादा शर्मनाक क्या होगा कि आवेदक ऑनलाइन प्रक्रिया का फायदा उठाकर दूसरे जिले में अपना काम कराने को मजबूर हैं।

आरटीओ या प्राइवेट लिमिटेड कंपनी

कार्यालय के संचालन को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पहले एक होटल से दफ्तर चलाना और अब होटल के सामने एक आवासीय भवन में गुपचुप तरीके से शिफ्ट हो जाना, पारदर्शिता की धज्जियाँ उड़ाने जैसा है। चर्चा है कि कार्यालय में अधिकारियों की उपस्थिति कम और गार्ड के नाम पर तैनात अनधिकृत एजेंटों का बोलबाला ज्यादा है। ये कथित गार्ड आवेदकों और साहब के बीच पुल का काम करते हैं, जिसका सीधा मतलब भ्रष्टाचार के लेनदेन से जोड़ा जा रहा है।

बिसाहूलाल और शिव प्रसाद सिंह की नजरें

इस मामले का राजनीतिक तापमान भी चढ़ा हुआ है। अनूपपुर और उमरिया के कद्दावर नेता और विधायक क्रमशः बिसाहूलाल सिंह और शिव प्रसाद सिंह जैसे दिग्गज इस प्रशासनिक सड़ांध पर नजरें गड़ाए हुए हैं। जब सत्तारूढ़ दल के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि स्वयं विधानसभा में सवाल उठा रहे हों, तब भी यदि सुधार न हो, तो यह साफ संकेत है कि सिस्टम के भीतर कोई बड़ा वरदहस्त इस भ्रष्टाचार को खाद-पानी दे रहा है।

कब होगा एक्शन

जांच जारी है, मंत्री का जवाब आ चुका है और विधानसभा की मुहर लग चुकी है। अब शहडोल की जनता पूछ रही है कि कार्रवाई की एक्सपायरी डेट क्या है? क्या एक दागी अधिकारी के संरक्षण के लिए पूरे संभाग के परिवहन तंत्र को बलि चढ़ा दिया जाएगा? या फिर शासन कठोर कदम उठाकर यह संदेश देगा कि भ्रष्टाचार के लिए यहां कोई जगह नहीं है। फिलहाल, शहडोल आरटीओ विभाग के लिए गले की हड्डी बना हुआ है, जिसे न निगलते बन रहा है और न उगलते।

परीक्षा के तनाव ने ली एक और बलि

आईटीआई छात्र ने आम के पेड़ पर लगाई फांसी

शहडोल। शिक्षा व्यवस्था का दबाव और बैक लगने का खौफ आज एक होनहार युवक की जिंदगी निगल गया। जैतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कोलुहा चौकीटोला में गुरुवार की सुबह उस वक्त कोहराम मच गया, जब 25 वर्षीय आईटीआई छात्र मनोज चौधरी का शव उसके घर के पीछे बाड़ी में आम के पेड़ से लटका मिला। महज एक पेपर बिगड़ जाने के गम में डूबे इस नौजवान ने मौत को गले लगाकर पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है।

पेपर बिगड़ते ही मौत का सन्नाटा

मिली जानकारी के अनुसार, मनोज का एक विषय में बैक लगा था, जिसका पेपर देने वह बुधवार को शहडोल गया था। शाम को जब वह घर लौटा, तो उसके चेहरे पर हार की लकीरें साफ दिख रही थीं। उसने अपने बड़े भाई अनिल को रुंधे गले से बताया भाई, पेपर अच्छा नहीं गया।

बड़े भाई ने उसे ढांढस बंधाया, हौसला दिया कि अगली बार देख लेंगे, लेकिन मनोज के भीतर निराशा का जहर घुल चुका था। उस रात उसने अन्न का एक दाना तक नहीं छुआ और मौत की साजिश बुनते हुए अपने कमरे में कैद हो गया।

सुबह खलिहान जाने के बहाने चुना फांसी का फंदा

गुरुवार तडक़े मनोज रोज की तरह मवेशियों को बांधने के बहाने खलिहान की ओर निकला। परिजनों को लगा कि वह अपनी दिनचर्या में व्यस्त है, लेकिन कुछ ही देर बाद जब भाई बाड़ी की तरफ पहुँचा, तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। मनोज नायलॉन की रस्सी के सहारे फंदे पर झूल रहा था। चीख-पुकार मची, परिजन दौड़े, लेकिन तब तक मनोज की सांसें थम चुकी थीं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

घटना की सूचना मिलते ही जैतपुर थाना पुलिस मौके पर पहुँची। थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राथमिक जांच की सुई परीक्षा के तनाव की ओर ही घूम रही है। सवाल यह है कि क्या एक मार्कशीट की कीमत इंसान की जान से ज्यादा है? आखिर कब तक हमारे युवा परीक्षा के पन्नों पर अपनी जिंदगी की बाजी हारते रहेंगे?

ब्यौहारी जेल प्रहरी की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

इ्यूटी पर जाते समय उजड़ गया सिंदूर

शहडोल। खाकी के फर्ज और जिंदगी की जंग के बीच आज मौत जीत गई। ब्यौहारी उप-जेल में पदस्थ एक ऊर्जावान युवा जेल प्रहरी की गुरुवार तडक़े हुए एक खौफनाक सडक़ हादसे में दर्दनाक मौत हो गई।

हादसा उस वक्त हुआ जब प्रहरी अपनी सुबह की शिफ्ट निभाने घर से निकले थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। न्यायालय के सामने अनियंत्रित हुई बाइक सीधे काल बनकर खड़े पेड़ से जा टकराई और मौके पर ही चीखें खामोश हो गईं।

कर्तव्य की राह पर बिछी लाश

मिली जानकारी के अनुसार, 29 वर्षीय अभिषेक सिंह उप-जेल ब्यौहारी में प्रहरी के पद पर तैनात थे। गुरुवार की सुबह जब शहर सो रहा था, अभिषेक अपनी ड्यूटी के लिए बाइक से निकले थे। ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यायालय के ठीक सामने अचानक उनकी बाइक बेकाबू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और अभिषेक के सिर पर आई गंभीर चोट ने उन्हें संभलने का एक मौका तक नहीं दिया।

पुलिस की पड़ताल जारी

ब्यौहारी पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राथमिक जांच में इसे सडक़ दुर्घटना माना जा रहा है, लेकिन पुलिस हर उस पहलू को खंगाल रही है जिससे यह हादसा हुआ। क्या सडक़ पर कोई अवरोध था या सुबह की धुंध ने नजरों को धोखा दिया? पुलिस इन सवालों के जवाब तलाश रही है। 29 साल की अल्पायु में एक रक्षक का इस तरह चले जाना विभाग और परिवार के लिए कभी न भरने वाली क्षति है।

सह कर्मियों में शोक, अस्पताल में मचा कोहराम

हादसे की खबर जंगल की आग की तरह फैली। सूचना मिलते ही पुलिस और जेल विभाग के अधिकारी मौके पर दौड़ पड़े, लेकिन तब तक अभिषेक की सांसें टूट चुकी थीं। जिस साथी के साथ कल तक जेल की सुरक्षा का जिम्मा संभाला था, उसे लहूलुहान हालत में देख साथी कर्मचारियों की आंखें नम हो गईं। अस्पताल परिसर में परिजनों के करुण क्रंदन ने पथरीले दिलों को भी पिघला दिया।

केशवाही के जंगलों में खूनी भालुओं का खौफ

तीन मौतों के बाद जागा वन विभाग, ग्रामीणों को मौत के साये में जीने की हिदायत!

शहडोल। जिले के केशवाही वन परिक्षेत्र के जंगल इन दिनों डेथ ज़ोन में तब्दील हो चुके हैं। बीते एक माह के भीतर भालुओं के खूनी हमलों ने तीन जिंदगियां लील ली हैं, जिनमें से दो शिकार अकेले केशवाही की सरहदों में हुए हैं। मौत के इस तांडव के बाद अब कुंभकर्णी नींद से जागे वन विभाग ने अलर्ट मोड का ढोल पीटना शुरू कर दिया है। जंगलों में बढ़ती वन्यप्राणियों की हिंसक गतिविधियों ने ग्रामीणों की रातों की नींद और दिन का चैन छीन लिया है।

महुआ और तेंदूपत्ता के सीजन पर काल का पहरा

जैसे-जैसे महुआ बीनने और तेंदूपत्ता संग्रहण का सीजन नजदीक आ रहा है, ग्रामीणों के माथे पर चिंता की लकीरें गहरी हो गई हैं। वन विभाग की टीमें अब गांव-गांव जाकर नसीहतों की पुड़िया बांट रही हैं। विभाग का फरमान है, अकेले जंगल न जाएं, शोर मचाते हुए चलें और भालू दिखे तो उसे उकसाएं नहीं, लेकिन सवाल यह है कि पेट की आग बुझाने के लिए घने जंगलों में उतरने वाले गरीब आदिवासियों की सुरक्षा की गारंटी कौन लेगा? क्या महज सावधानी का पाठ पढ़ा देने से भालू अपना रास्ता बदल लेंगे?

भालुओं का गढ़ बना केशवाही

केशवाही वन परिक्षेत्र के रेंजर अंकुर तिवारी ने स्वीकार किया है कि इस इलाके में भालुओं का घनत्व खतरनाक स्तर तक ज्यादा है। वरिष्ठ अधिकारियों के डंडे के बाद अब अमला बैठकों का दौर चला रहा है। रेंजर का कहना है कि भालू अचानक सामने आने पर हमला करता है, इसलिए सतर्कता ही एकमात्र बचाव है। विभाग अब ग्रामीणों को समूह में चलने और जानवरों की आहट मिलते ही वन अमले को सूचित करने की रटी-रटाई सलाह दे रहा है।

दहशत में जी रहा है अन्नदाता

वन विभाग भले ही इसे जागरूकता अभियान कह रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि केशवाही के जंगलों में कदम रखना अब अपनी जान हथेली पर रखने जैसा है। तीन मौतों के जख्म अभी हरे हैं और भालुओं की बढ़ती संख्या ने पूरे क्षेत्र को दहशत के पिंजरे में कैद कर दिया है। विभाग ने अपील की है कि ग्रामीण अफवाहों पर ध्यान न दें, लेकिन जब जंगल से अपनों की लाशें बाहर आती हैं, तो अफवाह नहीं, खौफ बोलता है।

छात्रों की जान से खिलवाड़, एनएसयूआई का हल्ला बोल

दीक्षांत समारोह में सड़ा खाना और हॉस्टलों में अंधेरगर्दी पर भडक़ा आक्रोश

शहडोल। जिले के शासकीय हॉस्टलों में पसरी बदइंतजामी और पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय की संवेदनहीनता के खिलाफ एनएसयूआई ने आर-पार की जंग छेड़ दी है। जिला अध्यक्ष सौरभ तिवारी के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर प्रशासन की चूलें हिला दीं। छात्रों का आरोप है कि जहाँ एक ओर वीआईपी मेहमानों के लिए रेड कार्पेट बिछाए जाते हैं, वहीं देश के भविष्य (छात्रों) को दीक्षांत समारोह जैसे गरिमामय अवसर पर सड़ा हुआ और दुर्गंधयुक्त भोजन परोसा गया।

एसआईटी जांच की उठी मांग

ज्ञापन में छात्र सुमित चौधरी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मुद्दा गरमाया रहा। एनएसयूआई ने साफ शब्दों में कहा कि इस मामले की लीपापोती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसी स्वतंत्र एजेंसी या एसआईटी से इसकी उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। संगठन ने मांग की है कि जांच की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और दोषी चाहे कितना भी रसूखदार क्यों न हो, उसे सलाखों के पीछे भेजा जाए।

कुलपति इस्तीफा दें

दीक्षांत समारोह में छात्रों को दिए गए घटिया भोजन को जान से खिलवाड़ बताते हुए एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय प्रशासन को आड़े हाथों लिया। कार्यकर्ताओं ने दहाड़ते हुए कहा कि छात्रों के स्वास्थ्य से समझौता करने वाले कुलपति को नैतिक आधार पर तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। वीआईपी अतिथियों के भव्य स्वागत और छात्रों के प्रति इस घोर अपमानजनक व्यवहार ने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर कलंक लगा दिया है।

एनएसयूआई ने गिनाईं आठ बड़ी खामियां

ज्ञापन के माध्यम से शहर के छात्रावासों की बदहाली का कच्चा चि_ा खोला गया, पिछले कुछ महीनों से हॉस्टलों से छात्र गायब हो रहे हैं। मांग की गई है कि हर हॉस्टल में जिम्मेदार वार्डन की नियुक्ति हो और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी बढ़ाई जाए। छात्रों को शुद्ध भोजन और सुरक्षित पेयजल मुहैया कराया जाए। भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच हो। परिसर में 24 घंटे प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए हॉस्टलों के बाहर नियमित पुलिस पेट्रोलिंग अनिवार्य की जाए।

न्याय नहीं मिला तो होगा उग्र आंदोलन

प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष आशीष तिवारी, सिमरन कौर, शुभम सोंधीया सहित सैकड़ों छात्र मौजूद रहे। छात्र नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि सुमित चौधरी के परिवार को न्याय और हॉस्टलों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो आगामी दिनों में कलेक्ट्रेट का घेराव कर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

85 वर्षीय बुजुर्ग की नृशंस हत्या!

शहडोल। कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरानी बस्ती में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब नूरी मस्जिद के पास रेलवे के खंडहर क्वार्टर में 85 वर्षीय मोहम्मद अब्दुल रहमान की खून से लथपथ लाश मिली। यह महज मौत नहीं, बल्कि बेरहमी की पराकाष्ठा है। हत्यारों ने बुजुर्ग के सिर पर किसी भारी हथियार से वार किया और उनके हाथ की अंगुलियां तक तोड़ डालीं। घटनास्थल पर बिखरा खून और शरीर के गहरे जख्म साफ चीख रहे हैं कि बुजुर्ग को तड़पा-तड़पा कर मारा गया है। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। इलाके में दहशत का माहौल है और सवाल पुलिस की गश्त पर भी उठ रहे हैं।

इनका कहना है...

एक बुजुर्ग का घर में संदिग्ध शव मिला है, जिसके शरीर में चोट के निशान है, वैधानिक कार्यवाही कर मामले की जांच की जा रही है।

राघवेंद्र तिवारी
कोतवाली प्रभारी, शहडोल

कार्यालय नगर परिषद बुढ़ार जिला शहडोल (म.प्र.)

क्रमांक/305/ई-टेण्डरिंग/2026 — // ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय) // — बुढ़ार, दिनांक :- 13/02/2026

निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा http://mptenders.gov.in मे माध्यम से आमंत्रित की गई है। कार्यो का विस्तृत विवरण वेबसाईट पर देखा जा सकता है

टेण्डर नं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य अवधि
1	2	3	4	5	7
2026_UAD_482492_1	Tender for Reparing work fire Vehicle no MP18 GA 5138 Fire pump 1350 IPM Bar Complete fitting Chargeand Denting, Painting work with complete Erection & fitting labour charge	350000.00	3500.00	2000.00	1 माह

1. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि दिनांक 14.02.2026 को प्रात: 10.00 बजे से दिनांक 28.08.2026 को सांय 17.30 बजे तक निर्धारित है। 2. ऑनलाईन दर प्रस्तुत करने की तिथि दिनांक 14.02.2026 को प्रात: 10.00 बजे से दिनांक 28.02.2026 को सांय 17.30 तक निर्धारित है। 3. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर उसे केवल वेबसाईट पर प्रकाशित किया जावेगा, समाचार पत्रों में नही । 4.अन्य विवरण उपरोक्त पोर्टल पर देखे जा सकते है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् बुढ़ार जिला - शहडोल (म.प्र.)

कार्यालय नगर परिषद बुढ़ार जिला शहडोल (म.प्र.)

क्रमांक/353/ई-टेण्डरिंग/2026 — //ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना (तृतीय) // — बुढ़ार, दिनांक :- 19/02/2026

निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा http://mptenders.gov.in मे माध्यम से आमंत्रित की गई है। कार्यो का विस्तृत विवरण वेबसाईट पर देखा जा सकता है

टेण्डर नं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य अवधि
1	2	3	4	5	7
2026_UAD_483885_1	HIRE VEHICAL ENOVA AC ON RENT FOR CHAIRMEN NAGAR PARISHAD BURHAR DISTRICT SHAHDOL M.P.	300000.00	3000.00	2000.00	वित्तीय वर्ष 2026-27

1. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि दिनांक 20.02.2026 को प्रात: 10.00 बजे से दिनांक 06.03.2026 को सांय 18.00 बजे तक निर्धारित है। 2. ऑनलाईन दर प्रस्तुत करने की तिथि दिनांक 20.02.2026 को प्रात: 10.00 बजे से दिनांक 06.03.2026 को सांय 18.00 तक निर्धारित है। 3. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर उसे केवल वेबसाईट पर प्रकाशित किया जावेगा, समाचार पत्रों में नही । 4.अन्य विवरण उपरोक्त पोर्टल पर देखे जा सकते है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् बुढ़ार जिला - शहडोल (म.प्र.)

खबर संक्षेप

अंबिकापुर निजामुद्दीन ट्रेन के स्टॉपेज की आई तारीख

कोतमा। सांसद हिमाद्री सिंह की मांग पर 19 दिसंबर को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा अंबिकापुर से निजामुद्दीन सुपरफास्ट ट्रेन का स्टॉपेज कोतमा में किए जाने की घोषणा की गई थी लेकिन अभी तक स्टॉपेज शुरू नहीं किया गया जिसको लेकर नागरिकों एवं व्यापारियों तथा जनप्रनिधियों मे नाराजगी देखी जा रही थी। लोगों का कहना था कि लगातार मांग पर जरूरत के अनुसार प्रयास ही नहीं हो रहे हैं यही कारण है कि रेल सुविधाओं के मामले में कोतमा आज भी बहुत पीछे है। लेकिन 66 दिन बाद रेल मुख्यालय बिलासपुर के द्वारा कोतमा स्टेशन में अंबिकापुर निजामुद्दीन सुपरफास्ट ट्रेन का स्टॉप शुरू करने की जानकारी जारी कर दी गई है रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार 4 मार्च को निजामुद्दीन अंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 22408 निजामुद्दीन से चलकर अंबिकापुर जाएगी जिसका कोतमा में दोपहर 2.56 बजे आयेगी तथा गाड़ी संख्या 22407 अम्बिकापुर से निजामुद्दीन जाने वाली 5 मार्च को सुबह 9.46 बजे आयेगी तथा 9.48 बजे पर रवाना होगी। अंबिकापुर निजामुद्दीन एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज होने से यहां के नागरिकों व्यापारियों जन प्रतिनिधियों को दिल्ली तक सीधी ट्रेन की सुविधा अब मिलनी शुरू हो जाएगी।

हायर सेकेण्डरी की राजनीतिशास्त्र विषय की परीक्षा संपन्न

उमरिया। जिले मे हायर सेकेण्डरी कि राजनीतिशास्त्र विशय की परीक्षा 35 परीक्षा केन्द्रों में संपन्न हुई। परीक्षा में कुल दर्ज 2404 विद्यार्थियों में से 2362 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी वहीं 42 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा में किसी भी परीक्षा केंद्र में नकल प्रकरण दर्ज नही हुआ। सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा व्यवस्था एवं संचालन मंडल के निर्देशानुसार उचित एवं व्यवस्थित पाई गई। सभी परीक्षा केंद्रों मे पुलिस बल तैनात रहा। परीक्षा केंद्रों में 144 धारा लगाने के फल स्वरूप बाहरी भीड एवं आसामाजिक तत्वों की भीड नही दिखाई दी। जि ला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी व्दारा परीक्षा केंद्र शासकीय उमावि सुंदरदादर, शासकीय उमावि शाहपुर का निरीक्षण किया, जहां पर परीक्षा शांतिपूर्वक एवं सुचारू रूप से संचालित होना पाई गई।

बुढ़ार में आध्यात्मिक महाक्रांति

मुनि श्री प्रमाणसागर की वैज्ञानिक गर्जना: बदलोगे भाव तो बदलेंगे शरीर के रसायन

बुढ़ार। बुढ़ार की पावन धरा पर चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के दूसरे दिन आज भक्ति और विज्ञान का वह अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने आधुनिक चिकित्सा शास्त्र की धारणाओं को भी चुनौती दे दी। गुणायतन प्रणेता मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने भावनायोग के माध्यम से अध्यात्म को प्रयोगशाला की कसौटी पर कसते हुए स्पष्ट कर दिया कि धर्म केवल जड़ क्रिया नहीं, बल्कि जीवन जीने का पूर्ण विज्ञान है। द्वितीय दिवस गर्भ कल्याणक के पावन अवसर पर उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए मुनि श्री ने तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि आज का इंसान बीमारियों की पोटली बन चुका है क्योंकि उसका मन विकारों का अड्डा है। जब तुम्हें गुस्सा आता है, तो तुम्हारा ब्लड प्रेशर क्यों बढ़ता है? जब तुम डरते हो, तो शरीर क्यों कांपता है? यह प्रमाण है कि तुम्हारे भाव तुम्हारे शरीर के रसायनों को नियंत्रित कर रहे हैं। यदि तुमने क्रोध को करुणा में और ईर्ष्या को प्रेरणा में बदलना सीख लिया, तो समझो तुमने कैंसर जैसी व्याधियों को हराने का नुस्खा सीख लिया।मुनि श्री ने जीव विज्ञान और न्यूरोसाइंस का हवाला देते हुए पंडाल में बैठे हजारों लोगों को स्तब्ध कर दिया। उन्होंने मस्तिष्क की संरचना को आध्यात्मिक चश्मे से समझाते हुए कहा यह आपके भीतर के डर और गुस्से का दानव है। जब आप तनाव में होते हैं, तो यह सक्रिय होकर शरीर को बीमार करता है। यह नैतिकता और संयम का केंद्र है। भावनायोग इसी केंद्र को जागृत करता है, जिससे इंसान पशुता से मानवता की ओर बढ़ता है। सकारात्मक भाव और ध्यान से यह हिस्सा मजबूत होता है, जिससे आपकी याददाश्त और सीखने की शक्ति बढ़ती है। मुनि श्री ने दोटूक

कहा कि लगातार तनाव से शरीर में कॉर्टिसोल बढ़ता है, जो आपकी इम्यूनिटी (रोग प्रतिरोधक क्षमता) को दीमक की तरह चाट जाता है। वहीं, कृतज्ञता और प्रार्थना के भाव इन हार्मोन्स को संतुलित कर शरीर को निरोगी बनाते हैं। अंधविश्वास और विश्वास के बीच की महीन रेखा को स्पष्ट करते हुए मुनि श्री ने 1987 की एक वास्तविक घटना का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि कैसे मात्र गुरुदेव के वचनों के प्रति अटूट श्रद्धा ने एक महिला का 104 डिग्री बुखार उतार दिया। उन्होंने इसे प्लेसीबो इफेक्ट का आध्यात्मिक विस्तार बताया, जहाँ मन की शक्ति औषधि बन जाती है।महामहोत्सव के मीडिया प्रभारी प्रसन्न जैन ढीपू और प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया कि महोत्सव का दूसरा दिन उत्सव की पराकाष्ठा पर था। दोपहर में माता मरुदेवी की गोद भराई की रस्म अत्यंत राजसी वैभव के साथ संपन्न हुई। संध्या काल में मंगल आरती के बाद नाभिराय के दरबार का दृश्य जीवंत हो उठा। माता द्वारा देखे गए 16 स्वप्नों का वर्णन सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। अष्टदेवियों और 56 कुमारियों के नृत्य ने इंद्रपुरी जैसा आभास करा दिया। कुबेर द्वारा की गई प्रतीकात्मक रत्न वर्षा ने बुढ़ार को स्वर्ग की समृद्धि से सराबोर कर दिया। ऐरावत हाथी पर सवार होकर निकलेंगे त्रिलोकीनाथ 27 फरवरी को बुढ़ार के इतिहास का सबसे स्वर्णिम दिन होगा। प्रवक्ता अविनाश जैन के अनुसार, कल प्रभु का जन्म कल्याणक मनाया जाएगा। सौधर्म इंद्र और शची इंद्राणी बालक आदिकुमार को लेकर भव्य जुलूस के रूप में निकलेंगे। पांडुक शिला पर 1008 रत्नमयी कलशों से भगवान का अभिषेक किया जाएगा। राजदरबार में प्रभु की बाल सुलभ चेष्टाओं का मंचन होगा, जो हर भक्त की आंखें नम कर देगा। सकल दिगंबर जैन समाज ने अपील की है कि इस धर्म की गंगा में डुबकी लगाने से कोई वंचित न रहे।

जिला सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी कि उपस्थिति में कलेक्टर सभागार में जिला सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में विभिन्न बिंदुओ पर चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में कहा गया कि सडक़ दुर्घटनाओ में कमी लाने के लिए एन एच के किनारे खड़े वाहनों पर कार्यवाही की जाए। ब्लैक स्पाट स्थल पर ब्रेकर,सूचक चिन्ह निधारित मापदंड के आधार पर लगाए जाए। नगर के अंदर पार्किग व्यवस्था के लिए सीएमओ को निर्देशित किया गया कि निर्धारित पार्किग स्थल पर ही वाहन खडे हो यह सुनिश्चित किया जाए, नो पार्किग में वाहन खड़े होने की स्थिति में चालानी कार्यवाही की जाए तथा पार्किग स्थल पर पार्किग बोर्ड लगवाया जाए।

जिला मुख्यालय के गांधी चौक से लेकर रणविजय चौक तक लग रही अस्थई सब्जी मंडी को हटाया जाए ताकि सडक़ में वाहनों का आवागमन सुगम हो सके और दुर्घटनाएं कारित नही हो सके । इसके साथ ही जिन दुकानदारों व्दारा अपने दुकान का समान व्हाईट लाइन के बाहर रख कर यातायात बाधित किया जा रहा है, उन्हें समान दुकान के अंदर रखने की समझाईश दी जाए,ऐसा नहीं होने पर चलानी कार्यवाही की जाए। राष्ट्रीय राजमार्गो के बसाहट वाले स्थानो पर स्ट्रीट लाइट लगवाई जाए।

बैठक में परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया कि जिले में चल रही कंडम बसों,तथा ओव्हरलोड चल रहे वाहनों का औचक अवलोकन करते हुए पाई गई कमियों पर कार्यवाही की जाए । यातायात प्रभारी को निर्देशित किया गया कि नगर में चेकिंग अभियान चलाकर संचालित कर हेलमेट की अनिवार्यता सुनिश्चित किया जाए । इसी तरह जिन जगहो पर ब्रेकर, साईन बोर्ड, रिफलेक्टर लाईट,लगाने की आवश्यकता है,वहां पर ब्रेकर लगवाएं जाए । बैठक में निर्देशित किया गया कि एन एच में बने ढाबो का औचक निरीक्षण किया जाए तथा निरीक्षण के दौरान जो ढाबे अतिक्रमण करके बनाए गये है, उन पर सख्त कार्यवाही की जाए ।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज ,सीएमओ उमरिया किशन सिंह, यातायात प्रभारी ज्योति शर्मा, सब इंजीनियर पीडब्ल्यूडी संस्कृति मरकाम सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे ।

होलिका दहन के लिए जुटा रहे लकड़ियां

कोतमा। होली की तैयारी शुरू हो गई है। शहर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अब इसका नशा चढ़ने लगा है। बच्चे व युवा होलिका के लिए लकड़ी जमा करने में जुट गए हैं। साथ ही कहीं-कहीं नगाड़े भी बजने लगे हैं। उमंग और मस्ती के त्योहार होली में अब केवल चार दिन रह गए हैं। अंचल में होली का सुरूर चढ़ने लगा है। फाल्गुन और बसंत की बयार के बीच रंगों का त्योहार होली युवा, बच्चे और बूढ़ों के लिए दोगुना उत्साह लेकर आया है। होली की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। हर साल की तरह इस साल भी फाल्गुन पूर्णिमा के दिन सेमल के पेड़ और सूखी लकड़ी से होलिका सजेगी। पूजा-अर्चना के बाद होलिका जला दी जाएगी। इस संबंध में पंडित सुशील द्विवेदी का कहना है कि होलिका दहन में सेमल के पेड़ का विशेष महत्व है। देवी-देवता का रूप मानकर पेड़ को स्थापित करके होलिका दहन करते हैं। धुलेड़ी पर इसी होलिका की राख को रंग कर ही होलिका की शुरुआत होती है। नगर के कई मोहल्लों में इसके लिए लकड़ी इकट्ठा करने का सिलसिला जारी है। युवाओं ने इसकी शुरूआत सेमल पेड़ की डाल गाड़कर कर दी है। सबसे अधिक उत्साह बच्चों में दिख रहा है। बच्चे छोटी-छोटी टोलियों में इकट्ठा होकर होलिका दहन के लिए ढेर सारी लकड़ियां इकट्ठी कर रहे हैं। होलिका दहन के दिन नगाड़ा बजाकर रात भर लोग होली का मजा लेंगे। दूसरे दिन गली-मोहल्लों में होली खेली जाएगी। होलिका के लिए लोग हरे पेड़ काट रहे हैं। जिससे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। होलिका दहन के लिए सूखी लकड़ियों का उपयोग करें। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि एक पेड़ को तैयार करने में वर्षों लग जाते हैं। ऐसे में हरे भरे पेड़ों को बिलकुल ना काटा जाए।

क्लबफुट बीमारी से ग्रसित बच्चों का किया गया नि:शुल्क उपचार

उमरिया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत क्लबफुट बीमारी से ग्रसित 4 बच्चों की कास्टिंग कर निशुल्क उपचार अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आर एन रुहेला द्वारा किया गया । जिले मे उपचार प्रत्येक बुधवार को अस्थि रोग विशेषज्ञ के द्वारा पिरानी स्कोर के सहयोग से कास्टिंग एनाटॉमी व स्पेशल टाइप के जूते देकर बच्चों के टेढ़े पंजे को सीधा किया जा रहा है । अब तक 25 बच्चो का उपचार किया जा चुका है। जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से प्रबंधक रीता बहरानी एवं अनुष्का फाउंडेशन मुंबई से सतीश सिंह उमरिया के साथ मिल कर उमरिया जिले को क्लब फुट फ्री उमरिया करने हेतु कार्य कर रही है ।

देवगवां ग्राम मे रूकवाया गया बाल विवाह

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता के मार्गदर्शन में चाइल्ड लाइन से बाल विवाह की सूचना मिलते ही उमरिया जिले के देवगवां गांव में सीडीपीओ राज नारायण और सुपरवाइजर रामकला डोंगरे ने पुलिस विभाग के साथ संबंधित के घर उपस्थित होकर बाल विवाह रुकवाया। परिवार जनो से कहा गया कि निर्धारित उम्र के बाद ही बच्चे का विवाह करे , जिस पर उन्होने सहमति व्यक्त किया।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित कैंप अभियान का किया अवलोकन

उमरिया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक दसन पद्राम ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उमरिया द्वारा प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान कैंप का अवलोकन किया एवं ग्राम भ्रमण कर अभियान में पंजीयन महिला का प्राप्त सेवाओं के संबंध में जिला चिकित्सालय में मिली सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त कि। इस दौरान उन्होने उप स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केंद्र बडेरी का भ्रमण कर एएन सी पंजीयन टी एफ आर वितरण एवं पंजीयन व शिशु टीकाकरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

ताप विद्युत गृह चचाई के एंप्लाइज एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

चचाई। अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के पावर इंजीनियर एंड एम्पलाइज एसोसिएशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सैकड़ो की संख्या में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देने कलेक्ट्रेट पहुंच ज्ञापन सौपा जिसमें मुख्य मांगों में मध्य प्रदेश विद्युत कंपनियों में उच्च शिक्षा (बीई /बीटेक/ ए एम आई ई) प्राप्त कनिष्ठ अभियंताओं को सहायक अभियंता एवं उच्च शिक्षा (डिप्लोमा) प्राप्त कर्मचारियों को कनिष्ठ अभियंता के पद पर सीधे नियुक्ति दिया जाए। मध्य प्रदेश की विद्युत कंपनियों में वर्ष 2009 से 2018 के पूर्व तक नियुक्त संयंत्र सहायकों परीक्षण सहायकों (समक्ष) ओ.ए. ग्रेड 3/(समकक्ष) ए आर ओ की वेतन विसंगति छठे वेतनमान में ग्रेड पे 2500 रुपए हेतु मूल वेतन 7440 रुपए से अधिक कर तदानुसार सातवें वेतनमान की मैट्रिक्स कालम एन म4 में मूल वेतन की शुरुआत 23200/की जगह 25300 से अधिक करने हेतु वर्ष 2009 से 2018 के पूर्व तक नियुक्त संयंत्र सहायक /परीक्षण सहायक (समकक्ष)ओ ए ग्रेड 3 (समकक्ष) ए आर ओ को वर्तमान में तीन वेतन वृद्धि देकर उक्त वेतन विसंगति समाप्त की जाए। विद्युत कंपनियों में वर्ष 2006 एवं उसके उपरांत नियुक्त किए गए अधिकारियों/कर्मचारियों को भी विद्युत देयक में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाए। सोलर रूफ टॉप योजना के अंतर्गत जिस प्रकार मध्य प्रदेश राज्य विद्युत मंडल के कार्मिकों को वित्तीय अनुदान (कार्मिकों की तरफ से कंपनी द्वारा भुगतान की गई कुल राशि में से आधी राशि 6 मासिक किस्तों में कार्मिकों के वेतन से वसूल की जाएगी) प्रदत करते हुए प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जा रहा है इसी प्रकार इस योजना का लाभ समस्त विद्युत कंपनियों के कंपनी कैडर कार्मिकों को भी प्रदान किया जाए। विद्युत कंपनियों में वर्ष 2012 के उपरांत नियुक्त समस्त अधिकारियों /अभियंताओं हेतु भी 03 का वेतनमान लागू किया जाए। ऊर्जा विभाग द्वारा समस्त विद्युत कंपनियों के प्रबंध संचालकों को प्रेषित संगठनात्मक संरचना में संबंधित पत्र दिनांक 9 जून 2011 की कंडिका क्रमांक 2 को एवं वर्तमान में जारी संगठनात्मक संरचना में पूर्ववर्ती विद्युत मंडल द्वारा कंपनियों में अंतरित कार्मिकों के लिए पदोन्नति हेतु आरक्षित किए गए पदों की कंडिका को यथावत रखे जाने के निर्णय को निरस्त किया जाए। मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड में कार्यपालन अभियंता के पद का चालू प्रभार दिए जाने में किये जा रहे अनियमितता को बंद किया जाए।

होली के तैयारियों ने पकड़ लिया जोर

कोतमा। होली का त्योहार नजदीक है। ऐसे में तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। जहां घरों की साफ-सफाई शुरू हो गई है तो वहीं महिलाएं चिप्स, पापड़ और गुझिया बनाने में जुट गई हैं। फाल्गुन का महीना आते ही सभी के घरों में होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। होली हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। ये त्योहार रंग, मस्ती और भाईचारे के साथ-साथ जायकों का भी उत्सव है। होली के पर्व पर विशेष तरह के पकवान बनाने का रिवाज है जैसे ठंडाई, मालपुआ, गुजिया आदि। होली के वो पारंपरिक पकवान जो लगभग सभी के घरों में बनाए जाते हैं। नगर की महिलाओं ने बताया कि आप भी होली के अवसर पर इन पकवानों को बनाकर घर आए मेहमानों से लेकर बच्चों तक को खुश कर सकते हैं।

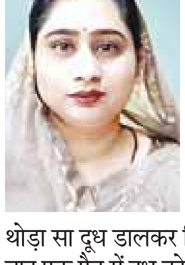

नगर की प्रियंका गोल्डी ताम्रकार ने बताया कि होली पर ठंडाई जरूर बनाई जाती है। इसे बनाने के लिए बादाम, काजू और पिस्ता को 3/4 घंटे या रात भर पानी में भिगो दें. बादाम के छिलके उतार लें. अब भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स, सौंफ, खसखस, काली मिर्च और इलायची को थोड़ा सा दूध डालकर मिक्सी में बारीक पीस लें. उसके बाद एक पैन में दूध को धीमी आंच पर उबालें. जब दूध हल्का गाढ़ा हो जाए, तो इसमें केसर के धागे डाल दें. अब दूध में तैयार किया हुआ पेस्ट और चीनी डालें. 5/7 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं. अंत में गुलाब जल मिलाएं. ठंडाई को ठंडा होने दें. चाहें तो फ्रिज में रखकर अच्छी तरह ठंडा करें. ऊपर से कटे हुए पिस्ता और केसर से सजाकर सर्व करें। जिसे हम सब इस होली पर घर मे अपने हाथों से आसानी से बना सकते हैं।

नगर की अर्चना पटेल ने बताया कि सदियों से होली पर गुजिया बनाने की परंपरा है। गुजिया बनाने के लिए सबसे पहले मैदा में घी का पर्याप्त मोयन मिलाएं, ताकि गुजिया की बाहरी परत खस्ता बने. मावा यानी खोया को धीमी आंच पर हल्का सुनहरा होने तक भूनें और इसे पूरी तरह ठंडा होने के बाद ही इसमें पिसी चीनी, इलायची पाउडर

और बारीक कटे मेवे मिलाएं. गुजिया के सांचे में भरावन भरते समय किनारों पर हल्का पानी लगाकर उन्हें अच्छी तरह बंद करें, ताकि तलते वक्त वे तेल में खुलें नहीं. तलने के लिए घी या तेल मध्यम गर्म होना चाहिए, जिससे गुजिया अंदर तक अच्छी तरह पककर सुनहरी हो सकें। और हम परिवार के साथ एवं मेहमानों को होली के त्यौहार मे घर मे बने गुझिया खिलाकर स्वागत कर सकते हैं।

नगर की सुष्मिता अग्रवाल ने बताया इस होली के त्यौहार मे घर आए मेहमानों का मुंह मीठा कराने के लिए आप मालपुआ घर पर ही बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले मावा लेना है और उसमें मैदा मिलना है. फिर उसमें सूजी डालकर तीनों को अच्छे से मिक्स कर लेना है. इसके बाद इसे मिक्सचर में आधा गिलास पानी डालकर अच्छे से पीस लेना है. आप चाहे तो इसमें पानी की जगह दूध भी डालकर भी स्मूद पेस्ट तैयार कर सकते हैं. अब इसे थोड़ी देर के लिए रख दें. चाशनी के लिए आधा लीटर पानी में 100 ग्राम चीनी, केसर और इलायची डाल दें. जब चाशनी गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद कर दें. अब कढ़ाई में घी डालकर उसमें मालपुआ तल लें. फिर चाशनी में डालकर मालपुआ को प्लेट में सर्व करें।

नगर की अनुराधा नामदेव ने बताया कि होली के दिन दही बड़े भी बनाए जाते हैं। इसके लिए उड़द दाल को भिगों दें और अगले दिन गाढ़ा पीस लें। अब कढ़ाई में तेल डालकर बड़ों को तल लें। एक कटोरे में दही फेंटकर उसमें काली मिर्च, लाल मिर्च, नमक, जीरा पाउडर, सौंठ और थोड़ी चीनी डालकर मिलाएं। अब तैयार वड़ों को दही में डाल दें। इन दही बड़ों को इमली की चटनी के साथ सर्व करें।

होली से पहले गुंडा-बदमाशों ने थाने में लगाई हाजिरी

अपराध न करने की दी सख्त चेतावनी

कोतमा। पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान के निर्देशन में त्यौहार के पूर्व थाना क्षेत्र अंतर्गत निगरानी शुदा गुंडा, बदमाश एवं शराब पीकर उपद्रव करने वाले शातिर अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए थाना लाकर परेड कराई गई। सभी बदमाशों को त्यौहार में शांति बनाए रखने के साथ अपराध ना करने को लेकर कड़ी चेतावनी भी दी गई। किसी प्रकार हुड़दंगी करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला ने बताया कि आगामी दिनों में पड़ने वाले त्यौहार होली, ईद एवं रामनवमी में शांति एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते थाना क्षेत्र के गुंडा सूची, आदतन बदमाशो में शुमार रहने वाले को थाना हाजिर कराया गया। थाना प्रभारी द्वारा सभी केजीवन यापन, दिनचर्या एवं अपराधिक गतिविधियों में सक्रियता को लेकर कड़ाई से पूछतांछ भी की गई। सभी बदमाशों को सख्त हिदायत दी कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अनैतिक कार्यों में शामिल ना रहे। अपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता एवं शांति भंग किए जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। पुलिस के द्वारा नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हिस्ट्रीशीटर अपराधियों के धरपकड़ कार्यवाही किए जाने से असमाजिक तत्वों में हड़कंप मचा रहा। कई बदमाश अनुपस्थित मिले एवं कुछ पुलिस के डर से फरार रहे। थाना प्रभारी रत्नाबर शुक्ला ने बताया कि पुलिस की उक्त कार्यवाही का उद्देश्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत करने एवं प्रत्येक नागरिक अपने त्योहारो को शांति पूर्वक मना सके। अनुपस्थित बदमाशों की भी पता तलाश के साथ उनकी गतिविधियों की जांच कराई जा रही है।

11 पेटी शराब जब्ती पर गहराया सस्पेंस

बाइक से ढुलाई असंभव, चारपहिया कनेक्शन की चर्चा तेज

बदरा/जमुना। फुनगा चौकी पुलिस द्वारा मौहार जंगल, ग्राम पाली सिटका टोला से 11 पेटी अंग्रेजी शराब करीब 96.480 लीटर और एक टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल जब्त किए जाने के बाद मामला लगातार उलझता जा रहा है आबकारी एक्ट की धारा 34 (2) के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों के अंधेरे का लाभ उठाकर फरार होने की बात कही गई, लेकिन पूरे घटनाक्रम पर कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि एक मोटरसाइकिल से 11 पेटी शराब का परिवहन कैसे संभव है आम तौर पर एक बाइक पर दो से तीन पेटी से अधिक ले जाना मुश्किल माना जाता है क्षेत्र में चर्चा है कि शराब कथित रूप से किसी चारपहिया वाहन बताया जा रहा है हालांकि पुलिस द्वारा किसी कार की जब्ती या उससे संबंधित आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। घटना 21 फरवरी की बताई जा रही है लगभग एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी न तो कथित आरोपियों की स्पष्ट गिरफ्तारी दर्शाई गई है और न ही संभावित चारपहिया वाहन का खुलासा हुआ है जब्ती के अगले दिन जमुना कॉलोनी में पुलिस टीम द्वारा संदिग्धों की तलाश में दबिश की बात सामने आई, जिससे मामला और तूल पकड़ गया किन आधारों पर दबिश दी गई और किन लोगों की तलाश की जा रही थी, इस पर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। फुनगा चौकी में पदस्थ पुलिसकर्मी सूर्यभान से जब जब्ती के गवाहों के नाम पूछे गए तो उन्होंने बताया कि ग्राम पायरी के दो गवाह हैं जब उनसे नाम पूछे गए तो उन्होंने कहा कि रजिस्टर देखकर बताएंगे, लेकिन इसके बाद संपर्क के प्रयासों के बावजूद फोन नहीं उठाया गया, जिससे शंकाएं और गहरी हो गईं। प्रकाशित खबर के अनुसार नारायण प्रसाद जमुना और रवि जमुना को ऑपरेटिव, शिव मंदिर के पास के नाम कथित रूप से शराब तस्करी और वाहन स्वामित्व के संदर्भ में सामने आए हैं हालांकि इस संबंध में पुलिस की ओर से औपचारिक पुष्टि अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। चौकी प्रभारी के मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने फोन उठाना उचित नहीं समझा। फिलहाल पूरे प्रकरण ने पुलिस कार्रवाई की पारदर्शिता और वास्तविक परिवहन माध्यम को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं क्षेत्रीय नागरिकों की मांग है कि मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों को सार्वजनिक किया जाए, ताकि भ्रम और अटकलों पर विराम लग सके।

इनका कहना है

मैंने इस संबंध में चौकी प्रभारी से बात की थी उन्होंने बताया कि 11 पेटी शराब बाइक से लाना संभव नहीं है जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तब तस्कर शराब और वाहन छोड़कर फरार हो चुके थे वहां से 11 पेटी शराब और एक बाइक ही बरामद हुई।

विपुल शुक्ला
थाना प्रभारी भालूमाड़ा

मैं पूरे मामले की तत्काल जांच करवा कर दोषियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्यवाही करवाता हूं।

जगन्नाथ मरकाम
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक
अनूपपुर

खबर संक्षेप

बोर्ड परीक्षा में हो रही नकल, प्रतिभाशाली छात्र का हो रहा नुकसान

ब्यौहारी। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा भले ही इस बार पांचवी आठवीं को बोर्ड परीक्षा घोषित किया गया है जिस स्कूल की शिक्षा में गुणवत्ता में सुधार हो लेकिन जिस तरह से सुनियोजित ढंग से जिले से लेकर ब्लॉक स्तर के अधिकारी स्कूल के अंदर ही नकल कर रहे हैं उसे प्रतिभाशाली छात्रों का भविष्य बर्बाद हो रहा है और अयोग्य लोगों की फौज तैयार हो रही है कोई बच्चा साल भर मेहनत करता है की परीक्षा में अच्छे अंक लाऊंगा रात को सोता नहीं लेकिन जब परीक्षा होती है तो वह देखता है कि जो कभी नहीं पड़ता कोई मेहनत नहीं करता वह भी मेरे बराबर ही लिख रहा है मेरे ही बराबर नंबर पा रहा है तब उसे कैसा लगता होगा क्या मध्यप्रदेश सरकार की यही मानसा क्योंकि जब भी परीक्षा होती थी तो कई सारे नकल के प्रकरण दर्ज किए जाते थे इस बार पांचवी की परीक्षा समाप्त हो गई व्यवहारी में एक भी नकल का प्रकरण दर्ज नहीं हुआ इसी तरह से आठवीं बोर्ड का एग्जाम भी 27 एवं 28 को है उसमें भी केदो के अंदर परीक्षा की कॉपी भी लिखी जा रही है नकल भी कराया जा रहा जिससे अभिभावक परेशान है अधिकारी परीक्षा केदो में जाते हैं और चेकिंग के नाम पर फोटो खिंचवाकर चले आते हैं अभिभावकों ने मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर से परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कराए जाने की मांग की है।

अशासकीय महाविद्यालयों के निरीक्षण हेतु समिति गठित

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी ने रीठी स्थित 2 अशासकीय महाविद्यालयों राजीव गांधी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय और साईनाथ बी.एड. इन्स्टीट्यूशन की मान्यता नवीनीकरण हेतु भौतिक निरीक्षण के लिये एक समिति का गठन किया है। साथ ही समिति को आगामी 7 दिवस में निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर श्री तिवारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार अशासकीय महाविद्यालयों का भौतिक निरीक्षण किये जाने वाली गठित समिति में एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, तहसीलदार रीठी संदीप सिंह, नायब तहसीलदार बिलहरी इशरार खान, प्राचार्य शासकीय तिलक महाविद्यालय कटनी डॉ. सुनील कुमार बाजपेई, प्राचार्य, पॉलीटेक्निक महाविद्यालय कटनी नरेन्द्र वरखेडकर और प्राचार्य आईटीआई कटनी देवेश मिश्रा को शामिल किया गया है। भौतिक निरीक्षण रिपोर्ट अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य के द्वारा एम.पी. ऑनालईन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। कलेक्टर श्री तिवारी ने सभी अधिकारियों को अशासकीय महाविद्यालयों का भौतिक निरीक्षण निर्धारित प्रारूप में किया जाकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने एवं भौतिक निरीक्षण रिपोर्ट अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा एम.पी. ऑनलाईन पोर्टल पर प्रेषित करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

लोक अदालत हेतु पैनल लॉयर के साथ हुई बैठक

कटनी। आगामी 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कटनी के सभा कक्ष में समय पैनल लॉयर के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड/सचिव सुमित शर्मा द्वारा उपस्थित पैनल लॉयर से वन-टू-वन आवश्यक चर्चा की एवं दिशा निर्देशित किया कि न्यायालय में लंबित समस्त राजीनामा योग्य प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में निराकरण कराये, और पक्षकारों को नेशनल लोक अदालत से लाभांवित कराए जाने हेतु प्रेरित किया गया।

युवा पार्लियामेन्ट का आयोजन आज होगा

कटनी। प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में युवा पार्लियामेन्ट का आयोजन गुरूवार 26 फरवरी को सुबह 10:30 से किया जाएगा। यह आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से आयोजित हो रहा है। इसमें पूर्व से पंजीकृत विद्यार्थी ही युवा संसद में सहभागिता करेंगें।

हनुमान मंदिर में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, चांदी के जेवरात बरामद

बुढार ।

पुलिस ने मंदिर में चोरी की घटना का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया मशरूका भी बरामद कर लिया है।

क्या था मामला?

बीती 9 जनवरी को बिजली ऑफिस के समीप स्थित बरम बाबा हनुमान मंदिर को अज्ञात चोरों ने देर रात निशाना बनाया था। चोरों ने मंदिर में स्थापित हनुमान जी की मूर्ति सेः

20 ग्राम चांदी का मुकुट

50 ग्राम वजनी चांदी का छत्र (गोलाकार)

चोरी कर लिए थे। इस घटना की शिकायत राज कुमार द्विवेदी (पिता शंकर प्रसाद) ने थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने

अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 135/26 के तहत धारा 305(ग) के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तारी

थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार संदेहियों पर नजर रख रही थी। मुखबिर की सूचना और जांच के आधार पर पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लियाः अहेद रजा (पिता सहाबुद्दीन रजा) पुष्पेंद्र उर्फ अमन विश्वकर्मा (पिता बिष्णु, निवासी खैरहा) पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर 24 फरवरी 2026 को करकटी केसर के पास छिपाकर रखा गया चोरी का माल (मुकुट और छत्र) बरामद कर लिया गया है।

पुलिस टीम की सराहना

इस मामले के धरपकड़ में एएसआई गिरीश शुक्ला, प्रधान आरक्षक महेंद्र सिंह,सरिता राठौर ने अपने सुझबुझ से मामले से पर्दा उठाया। धार्मिक स्थल पर हुई इस चोरी का खुलासा होने से स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली है। पुलिस अब आरोपियों से अन्य संभावित घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

भाईचारे से मिलजुल कर मनाएं आगामी सभी त्यौहार-कलेक्टर पर्व के दौरान पुलिस की रहेगी चौकस व्यवस्था-पुलिस अधीक्षक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप होली, ईद-उल-फितर, रामनवमी त्यौहारों को शांतिपूर्ण, भाईचारे की भावना और हर्षोल्लास, उमंग, सौहार्दपूर्ण वातावरण में मिलजुल कर मनाया जाएगा। इस आशय की अपील कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में संपन्न जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में की गई। शांति समिति की बैठक में आगामी त्यौहारों होली, ईद-उल-फितर, रामनवमी को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मजिस्ट्रेटियल ड्यूटी लगाए जाने तथा विभिन्न स्थानों पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने नदियों के स्थानों को चिन्हित करते हुए होमगार्ड के गोताखोर, पटवारी, सचिव तथा नगरीय क्षेत्रों में नगरीय प्रशासन के अमले की तैनातगी के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बैठक में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पुलिस थाने के बल के साथ कोटवारों की भी ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बैठक में त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए प्रमुख स्थानों पर आवश्यक अमले की तैनातगी तथा आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में सर्व संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। शांति समिति के सदस्यों ने जिले के विभिन्न स्थानों में आयोजित कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी दी। बैठक में आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रख साफ-सफाई, जल आपूर्ति की समुचित व्यवस्था, आकस्मिक घटनाओं को दृष्टिगत रख सभी नगरीय क्षेत्रों में फायर ब्रिगेड एवं एम्बुलेंस की तैनातगी, बिजली के तार के नीचे सड़कों पर होली न जलाई जावे, इसका पालन करने तथा आवश्यकतानुसार पानी के टैंकर की व्यवस्था हो इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का भी निर्णय लिया गया। त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था तथा जिला चिकित्सालय में आकस्मिक चिकित्सा स्टॉफ की ड्यूटी लगाए जाने के भी निर्देश दिए।

संतों के सानिध्य में आज धर्ममय होगी बुढार की धरा, गौशाला और विद्यालय का होगा भूमिपूजन

बुढार । 27 फरवरी नगर में आज अध्यात्म और सेवा का एक अनूठा संगम देखने को मिलेगा। दोपहर 2 बजे वार्ड क्रमांक 3 स्थित प्रकाश सिंह के निवास पर महामंडलेश्वर श्री 108 श्री राम गोपाल दास जी महाराज का आगमन हो रहा है। उनके साथ अन्य 4-5 पूज्य संत भी पधार रहे हैं, जिनका भव्य स्वागत श्री कश्यप प्रवेश द्वार पर किया जाएगा।

नगर भ्रमण और शोभायात्रा

संतों के आगमन के उपरांत एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा खुली जीप में श्री कश्यप द्वार से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरेगीः

मार्गः बनियान टोला दीनदयाल चौक मेन रोड रेलवे बाजार नारायण सरोवर।

शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु संतों का आशीर्वाद ले सकेंगे और जगह-जगह पुष्प वर्षा से उनका स्वागत किया जाएगा।

भूमिपूजन और ग्रंथ पूजन का विशेष आयोजन

शोभायात्रा का समापन श्री राम जानकी मंदिर में होगा, जहां धार्मिक और सामाजिक उत्थान के संकल्प के साथ महत्वपूर्ण अनुष्ठान संपन्न होंगेः संस्कृत विद्यालय का शुभारंभ एवं गौशाला का भूमिपूजनः शिक्षा और जीव दया के क्षेत्र में नई पहल।

भक्ति कुंज ग्रंथ का पूजनः ज्ञान और भक्ति की परंपरा को आगे बढ़ाने हेतु विशेष पूजन। इस गरिमामयी आयोजन को लेकर श्रीराम जानकी मंदिर के महंत अर्जुन दास महाराज जी ने स्थानीय श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। आयोजन समिति ने समस्त धर्मप्रेमियों से इस पुण्य लाभ के अवसर पर उपस्थित होने की अपील की है।

शिविरों में 442 हितग्राही हुए लाभान्वित

हरिभूमि न्यूज कटनी

निगम प्रशासन द्वारा शासन की महत्वपूर्ण प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ प्रदान कर नगर के स्ट्रीट वेंडर्स के व्यवसाय को सुदृढ़ कर उन्हे आत्मनिर्भर बनाने की दिशा मे किये जा रहे प्रभावी प्रयासों के फलस्वरूप नगर के स्ट्रीट वेंडरों को योजना को योजना का लाभ प्राप्त करने की राह आसान हो रही है।

सिटी मिशन मैनेजर यश रजक ने बताया कि निगम प्रशासन द्वारा योजना से प्रत्येक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने हेतु वार्डवार शिविरों के आयोजन के अलावा पात्र वेंडर्स की पहचान कर योजना की जानकारी प्रदान की जा रही है। वहीं इस कार्य में संलग्न टीम द्वारा हितग्राहियों के दस्तावेजों के त्वरित सत्यापन तथा बैंकिंग प्रक्रियाओं के सुचारू संचालन की दिशा विशेष ध्यान दिया जाकर हितग्राहियों को समयबद्ध वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास जारी है। सिटी मिशन मैनेजर एनयूएलएम यश रजक ने बताया कि निगम प्रशासन की सक्रिय पहल एवं सतत समन्वय के परिणामस्वरूप योजना के तहत फरवरी माह में 1 फरवरी से 25 फरवरी तक 442 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा चुका है। जिसमें 15 हजार ऋण स्वीकृति के 117 प्रकरण, 25 हजार रुपये के ऋण स्वीकृति के 262 प्रकरण तथा 50 हजार रुपये की ऋण स्वीकृति के 63 प्रकरण शामिल है।

इस पहल से न केवल वेंडर्स की आजीविका को बल मिला रहा है, बल्कि नगरीय अर्थव्यवस्था को भी सकारात्मक गति प्राप्त हुई है। नगर पालिका निगम कटनी द्वारा वर्तमान समय में भी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु वार्डवार शिविरों का आयोजन किया जाकर पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ने एवं अधिकाधिक वेंडर्स तक लाभ पहुंचाने के प्रयास अनवरत जारी है।

आज शिविर यहां लगेगा

सिटी मिशन मैनेजर ने जानकारी देते हुए बताया कि हितग्राहियों को योजना से लाभान्वित करने के उद्देश्य से गुरुवार 26 फरवरी को बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्रमांक 1 में मंडी गेट के सामने पार्षद कार्यालय के पास शिविर का आयोजन किया जाकर हितग्राहियों को लाभान्वित करने की कार्यवाही की जायेगी। हितग्राहियों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर स्थल पहुंचकर योजना का लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया गया है।

नगर निगम ने सभी पात्र स्ट्रीट वेंडरों से अपील की है कि वे निगम कार्यालय के कक्ष क्रमांक 63 के राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन कार्यालय में संपर्क कर योजना का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें।

भाजपा जिला कार्यालय में पूर्व मंत्री ने प्रेसवार्ता में गिनाई खूबियां

समृद्ध, संपन्न व विकसित मप्र की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा बजट

हरिभूमि न्यूज कटनी

मध्यप्रदेश विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय कटनी में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में तथा उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत यह बजट "समृद्ध, संपन्न, सुखद और विकसित मध्यप्रदेश" की परिकल्पना को साकार करने वाला दूरदर्शी दस्तावेज है। जिलाध्यक्ष दीपक टंडन ने बजट का स्वागत करते हुए इसे सर्वसमाज के समग्र विकास, महिला सशक्तिकरण, किसान हित और

युवा उन्नति पर केंद्रित बताया।

बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस वर्ष का बजट पिछले वर्ष की तुलना में लगभग साढ़े चार प्रतिशत अधिक प्रावधान के साथ प्रस्तुत किया गया है। यह प्रदेश का पहला "रोलिंग बजट" है, जो आगामी तीन वर्षों के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार करता है। बजट को डिजिटल, पारदर्शी और जनता-केंद्रित बताया गया है। विशेष बात यह है कि लगातार तीसरी बार कोई नया कर नहीं बढ़ाया गया है, जिससे आमजन को राहत मिलेगी।

किसानों को होगा लाभ

उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 को "किसान कल्याण वर्ष" घोषित किया गया है। किसानों के लिए 25,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एक लाख सोलर पंप वितरण की योजना से किसानों को बिना अतिरिक्त बिजली लागत के सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। किसान कल्याण योजना हेतु 5,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें फसल बीमा, ब्याज-मुक्त ऋण एवं अन्य सहायता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त फसल बीमा योजना के लिए 1,299 करोड़ रुपये का अलग से प्रावधान रखा गया है।

श्री सिंह ने कहा कि बजट युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराने वाला है। महिलाओं और गरीब वर्ग के लिए समर्पित योजनाओं में 'लाड़ली बहना' जैसी योजनाओं को मजबूती दी गई है। स्वास्थ्य, सुरक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। ग्रामीण एवं कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक निवेश प्रस्तावित है।

निगमायुक्त ने बैंकर्स के साथ समन्वय बैठक कर दिये निर्देश

लंबित प्रकरणों का शीघ्र करें निराकरण ताकि हितग्राही न हो परेशान

हरिभूमि न्यूज कटनी

शासन की मंशा के अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने के उद्देश्य से निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा पीएम स्वनिधि योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के निराकरण को लेकर बैंकर्स की समीक्षा बैठक ली। बैठक में लीड बैंक मैनेजर किंडो, उपयुक्त शैलेश गुप्ता, कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, सहायक यंत्री अनिल जायसवाल, सिटी मिशन मैनेजर एन यू एल एम यश रजक सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी रही। बैठक में निगमायुक्त ने योजनाओं की वर्तमान प्रगति, बैंकों को प्रेषित प्रकरण तथा निराकृत प्रकरण की बैंक वार विस्तार से समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के कारणों पर

विस्तार पूर्वक चर्चा की निगमायुक्त ने बैंक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी लंबित प्रकरणों पर प्राथमिकता के साथ कार्यवाही की जाए, ताकि छोटे व्यापारियों, स्ट्रीट वेंडर्स एवं आवास के लिए पात्र हितग्राहियों को अनावश्यक विलंब का सामना न करना पड़े। निगमायुक्त ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना से जहां छोटे व्यवसायियों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है, वहीं आवास योजना से शहरी गरीबों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध हो रहा है, ऐसे में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। मार्च के पूर्व सभी प्रकरणों का निराकरण किया जाए, जिससे कि संबंधित हितग्राहियों को चालू वित्तीय वर्ष में लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने योजना के नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बैंकर से समन्वय बनाएं एवं हितग्राहियों के साथ बैंक जाकर उनके प्रकरणों के निराकरण में मदद करें। निगमायुक्त ने निगम प्रशासन द्वारा बैंकर्स को हरसंभव सहयोग प्रदान किए जाने का आश्वासन भी दिया गया। बैठक के दौरान निगमायुक्त ने बैंकर्स से आपसी समन्वय, दस्तावेज सत्यापन में संवेदनशीलता तथा त्वरित निर्णय प्रक्रिया अपनाने का आग्रह किया। साथ ही यह भी कहा कि जिन प्रकरणों में दस्तावेजों की कमी या तकनीकी अड़चन हैं, वहां हितग्राहियों को सकारात्मक मार्गदर्शन देकर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिससे अधिक से अधिक हितग्राही योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

निगमायुक्त ने समन्वय बैठक के अंत में यह स्पष्ट किया कि लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाएगी और प्रगति में अपेक्षित सुधार नहीं होने की स्थिति में संबंधित स्तर पर पुनः बैठक कर आपसी समन्वय के साथ प्रकरणों के निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी, ताकि नगर के अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके।

बैठक के दौरान, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, एक्सिस बैंक, महाराष्ट्र बैंक, केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक सहित नगर के विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

जनगणना हेतु भवनों एवं मकानों के सूचीकरण के लिए दल गठित

हरिभूमि न्यूज कटनी

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने जनगणना 2027 के मद्देनजर नगर के भवनों एवं मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य हेतु निगम के वार्ड दरोगाओं एवं सहायक राजस्व निरीक्षकों एवं सुपरवाईजर के दल का गठन कर संबंधितों को वार्ड के भवनों, मकानों को क्रमानुसार बढ़ते हुए लाल रंग से मकान नंबर अंकित करने के साथ ही मुखिया का नाम, आवासीय, गैर आवासीय एवं मकान की स्थिति संधारित करने के कार्य को 10 मार्च से पूर्व करने के निर्देश दिए है।

आयुक्त एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी सुश्री तपस्या परिहार आईएएस द्वारा जारी आदेशानुसार वार्ड क्रमांक 1 से 6 तक के लिए सुपरवाईजर संदीप बर्मन को नियुक्त करते हुए 12 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 7 से 10 तक के लिए बृजेश कुंडे को सुपरवाइजर नियुक्त किया जाकर दल में 8 कर्मचारी संलग्न किये गए है। वहीं वार्ड क्रमांक 11 से 15 तक के लिए तीरथ प्रसाद बैगा को सुपरवाइजर नियुक्त किया जाकर 10 कर्मचारियों, वार्ड क्रमांक 16 से 21 हेतु दीपक मलिक सुपरवाईजर के साथ 12 कर्मचारियों, तथा वार्ड क्रमांक 22 से 29 के लिए तेजभान सिंह सुपरवाईजर के साथ 16 कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 30 से 33 एवं 37 व 38 एवं 42 हेतु दीपक अग्निहोत्री सुपरवाईजर के साथ 14 कर्मचारियों, वार्ड क्रमांक 34 एवं 39,40,41 तथा वार्ड क्रमांक 43 से 45 तक में सुशांत सिंह परिहार सुपरवाईजर के साथ 14 कर्मचारियों तथा वार्ड क्रमांक 35 दीपक मलिक सुपरवाईजर की ड्यूटी लगाई गई है।

खबर संक्षेप

चैत्र नवरात्रि से पूर्व स्वच्छ जल सप्लाई करने की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर नगरपालिका परिषद द्वारा तिपान नदी से नगर में पेयजल सप्लाई किया जा रहा है जिसमें मल मूत्र युक्त नालियों का दूषित पानी एवं जिला चिकित्सालय व निजी अस्पतालों का विषैला पानी जाकर मिलता है। इसी गंदे पानी को अनूपपुर में सप्लाई करने से तरह-तरह की संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है और लोगों की भावनाएं आहत हो रही है। 19 मार्च से चैत्र नवरात्रि शुरू हो रही है नवरात्रि पर्व पर रोजाना 09 दिनों तक मढिया/मंदिरों में जल चढ़ा कर पूजा अर्चना की जाती है, बच्चे, कन्या, महिलाओं द्वारा प्रातः काल से मंदिर/मढिया में जाकर जल चढ़ाया जाता है, कन्या भोज सहित अनेकों अनुष्ठान आयोजित होते हैं जिसमें स्वच्छ जल का उपयोग किया जाना आवश्यक है। नगरपालिका परिषद अनूपपुर द्वारा सप्लाई किए जा रहे पानी को अधिकांशतः घरों में उपयोग में लिया जाता है नपा नल कनेक्शन के अलावा दुसरा वैकल्पिक व्यवस्था आमजनों के पास नही है। आगामी नवरात्रि पर्व के पूर्व मल-मूत्र मुक्त पानी के स्थान पर स्वच्छ जल सप्लाई की मांग पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष जीवेन्द्र सिंह द्वारा किया गया है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता नारेंद्र सोनी का निधन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक के वार्ड क्रमांक 9 मुख्य मार्ग निवासी 79 वर्षीय वरिष्ठ कांग्रेस नेता नारेंद्र सोनी का आज निधन हो गया। वे विगत कुछ समय से वृद्धावस्था जनित बीमारियों से जूझ रहे थे और लगभग एक माह से अस्वस्थ होकर बिस्तर पर थे। सोनी अपने पीछे दो पुत्र और तीन पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी पत्नी का निधन लगभग दस वर्ष पूर्व हो चुका था। उन्होंने लंबे समय तक कांग्रेस संगठन एवं सेवा दल के लिए समर्पित भाव से कार्य करते हुए सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई। नारेंद्र सोनी के निधन पर पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को सहित आशुतोष सिंह मार्को, श्रीधर शर्मा, दुर्गेश अग्रवाल, नगर परिषद अध्यक्ष पार्वती सिंह उईके, उपाध्यक्ष रज्जू सिंह नेताम, पूर्व अध्यक्ष बलीराम केवट, मीना पड़वार, कांग्रेस अध्यक्ष श्यामलाल सेन, पार्षद गण निधि जैन, विमला दुबे, उषा सिंह उईके, देवानंद खत्री, शक्ति पांडेय, जोहन लाल चंद्रवंशी, पत्रकार धनंजय तिवारी, देवेंद्र जैन, मनोज जैन, राजेश नागवंशी, गिरधारी जायसवाल, विनायक द्विवेदी, वीरू तंबोली, लखन झरिया, राजेश पिटानिया, सुरेश द्विवेदी तथा हरि सिंह उईके सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

प्रदेशभर से जुटेगा समर्थन, आंदोलन लेगा व्यापक रूप

अनूपपुर में पटवारियों की हड़ताल तेज, वार्ता रही विफल

अनूपपुर जिले में पटवारियों की हड़ताल लगातार जारी है और अब यह आंदोलन निर्णायक मोड़ पर पहुंचता नजर आ रहा है। प्रशासन से वार्ता विफल होने के बाद पटवारियों ने साफ कर दिया है कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन नहीं रुकेगा। टेंट हटाने की कार्रवाई के विरोध में गुलदस्ता भेंट कर व्यंग्यात्मक धन्यवाद के बाद अब प्रदेशभर से समर्थन जुटने की तैयारी है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर जिले में 12 फरवरी से जारी पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल अब और तेज होती जा रही है। बीते दिनों जिला प्रशासन के निर्देश पर पुलिस द्वारा आंदोलन स्थल से टेंट हटाए जाने की कार्यवाही ने कर्मचारियों के आक्रोश को और भड़का दिया है। इसके जवाब में पटवारियों ने विरोध का अनोखा तरीका अपनाते हुए जिला प्रशासन को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर प्रतीकात्मक रूप से "धन्यवाद" ज्ञापित किया है। इस आंदोलन में गुरुवार को कलेक्टर अनूपपुर और पटवारी संघ के बीच हुई वार्ता पूरी तरह विफल रही है। संघ के जिलाध्यक्ष ने बताया कि हमारी मांगो के साथ निलंबित किए गए पटवारियों को बहाल किया जाए लेकिन जिला प्रशासन ने सीधा इंकार कर दिया है किसी भी मांग पर सहमति नहीं बन सकी है। इसके बाद संघ ने स्पष्ट कर दिया कि हड़ताल आगे भी जारी रहेगी इतना ही नहीं, अब अनूपपुर संघ के समर्थन में मध्यप्रदेश के सभी जिलों से पटवारी यहां पहुंचेंगे। अन्य जिलों के पटवारियों की भागीदारी से आंदोलन, रैली और धरना और अधिक व्यापक व प्रभावी होने की संभावना जताई जा रही है।

वार्ता विफल, टकराव और गहराया

कलेक्टर और पटवारी संघ के बीच हुई बातचीत से कर्मचारियों को बड़ी उम्मीद थी, लेकिन वार्ता किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है संघ का आरोप है कि प्रशासन ने मांगों को गंभीरता से नहीं लिया और सिर्फ आश्वासन तक सीमित रहा है वार्ता विफल होते ही पटवारियों में असंतोष और गहरा गया है उनका कहना है कि जब तक लिखित और ठोस निर्णय नहीं होंगे, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वार्ता की विफलता ने यह साफ कर दिया है कि प्रशासन और कर्मचारियों के बीच विश्वास की खाई बढ़ती जा रही है।

टेंट हटाने के बाद बदला विरोध का तरीका

आंदोलन स्थल से टेंट हटाने की कार्रवाई को पटवारियों ने दमनात्मक कदम बताया है। इसी के विरोध में उन्होंने प्रशासन को गुलदस्ता भेंट कर व्यंग्यात्मक "धन्यवाद" दिया है। संघ का कहना है कि यह कदम यह दिखाने के लिए था कि वे हिंसा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीकों से विरोध कर रहे हैं। यह अनोखा विरोध पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है और इससे आंदोलन को नई पहचान मिली है।

प्रदेशभर से जुटेगा समर्थन

गुरुवार को अनूपपुर के पटवारियों के समर्थन में अब मध्यप्रदेश के सभी जिलों से पटवारी यहां पहुंचेंगे यह बात स्वयं पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष चेतन सिंह ने बताई है। संघ ने प्रदेश स्तर पर सभी जिला इकाइयों को सूचना दे दी है। बड़ी संख्या में अन्य जिलों के पटवारी रैली और धरने में शामिल होंगे। इससे आंदोलन का स्वरूप स्थानीय न रहकर प्रदेशव्यापी बनने की संभावना है। प्रशासन पर दबाव भी कई गुना बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

जनता पर पड़ता असर, राजस्व काम ठप

हड़ताल का सीधा असर आम जनता पर लगातार बढ़ता जा रहा है। नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, फार्मर रजिस्ट्री, प्रमाण पत्र और गिरदावरी जैसे जरूरी काम ठप हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान और छात्र सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। लोग तहसीलों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन काम नहीं हो पा रहा है। जनता का कहना है कि प्रशासन और कर्मचारियों के टकराव का खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है।

आंदोलन जारी रहने का ऐलान, आगे की रणनीति

पटवारी संघ ने साफ शब्दों में कहा है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस और लिखित निर्णय नहीं लिया जाता है हड़ताल जारी रहेगी। प्रदेशभर से पटवारियों के पहुंचने के बाद आंदोलन को और धार दी जाएगी। रैली, घेराव और सामूहिक प्रदर्शन की रणनीति बनाई जा रही है। संघ का कहना है कि यह लड़ाई अब केवल मांगों की नहीं, बल्कि सम्मान, अधिकार और सुरक्षित कार्य परिस्थितियों की है।

बिना टैंडर के शूरु हुई जिला अस्पताल में पार्किंग व्यवस्था बिना प्रबंधन के जारी हुई रसीद मिल रही वाहनों चालकों को

अस्पताल प्रबंधन और ठेकेदार की मिलीभगत

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर।

जिला मुख्यालय में संचालित हो रहें जिला अस्पताल परिसर में वाहनों की पार्किंग के लिए किसी भी तरह का टैंडर अस्पताल प्रबंधन द्वारा नही बुलाया गया है। बिना किसी तरह का टैंडर किये ठेकेदार 10 रुपये वाहन वसूली कर रहा है। वही रसीद में किसी भी तरह के सील प्रवंधन की नही लगी है। जिससे आर्थिक रूप से फर्जीवाड़े का मामला सामने आ रहा है। जिला अस्पताल परिसर में वाहनों की पार्किंग व्यवस्था को ठीक करने के नाम पर बिना टेंडर किये अपने चहेते ठेकेदार को 12 हजार रुपये प्रति माह की दर पर ठेका दे दिया गया है। पार्किंग स्थल पर बीते 7 दिनों में वाहन पार्किंग के नाम पर अस्पताल आ रहें मरीज व उसके परिजनों से प्रति वाहन 10 रुपये 2 घंटे के लिया जा रहा है। मगर कितने वाहनों से कितनी रकम वसूली गई। इससे अस्पताल प्रबंधन को मतलब नहीं है। बल्कि महज 12 हजार में ठेकेदार को इसलिए काम सौप दिया गया है क्योंकि उक्त ठेकेदार के पास रेलवे पर्किंग का ठेका चल रहा है।

जो रसीद ठेकेदार के द्वारा वाहनों चालकों को दी जा रही है। उस रसीद को प्रबंधन के द्वारा जारी नही किया गया है। जिससे साफ तौर पर प्रबंधन और ठेकेदार की मिलीभगत सामने आ रही है। जबकि उक्त काम के लिए पहले टेन्डर निकाला जाना चाहिए था मगर प्रबंधन में आपसी साठगांठ कर पार्किंग का ठेका दे दिया। इस मामले में जब हमारे द्वारा अस्पताल प्रबंधन से जानकारी ली गयी तो उन्होंने ने बताया कि बाहनों की चोरी दिन में बहुत हो रही थी जिसके चलते ये ठेका बिना टेंडर निकाले दे दिया गया है। ताकि वाहनों की चोरी रोकी जा सकें। ठेकेदार के कर्मचारी पार्किंग में लगाये गए वाहन चालकों से अनाप सनाप पैसों की मांग की जाती है जिसके चलते आने जाने वाले लोगों से बहस की हालात रोजाना दिखाई पड़ते है। वही पार्किंग स्थल पर किसी भी तरह की सूचना नही लगाई है जिसके चलते रोजना आने जाने वालों से बहस हो रही है। अस्पताल परिसर किसी भी तरह के हालात से निपटने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा पुलिस चौकी बैठाई गई है मगर ठेकेदार को ठेका देने के लिए बाहन चोरी का बहाना प्रबंधन बना रहा है। ठेका देने से पहले पार्किंग से वसूली किसके कहने पर की जा रही है। 12 हजार की रकम किसके बोलने पर तय हुई ये सवाल भी है। मिली भगत न हो रही हो इस बात से इंकार नही किया जा सकता है।

इनका कहना है

तत्कालिक व्यवस्था के लिए रेलवे पार्किंग में काम कर रहे ठेकेदार को पार्किंग का ठेका दे दिया गया है। टैंडर भी जल्द लगाया जायेगा।

डॉ0 एस आर परस्ते,
सिविल सर्जन
जिला अस्पताल, अनूपपुर

बरगवाँ-अमलाई नगर परिषद में जमकर बवाल

कचरा गाड़ी चालक से मारपीट के बाद टेंट डालकर हड़ताल;

कार्रवाई के डर से टेंट और हड़ताल, शिकायत दबाने की कोशिश का आरोप

अनूपपुर। जिले के अमलाई स्थित नगर परिषद बरगवाँ-अमलाई में 16 जनवरी को मेला ग्राउंड में हुआ विवाद अब बड़ा बखेड़ा बन चुका है। कचरा वाहन चालक भीम कोल के साथ कथित मारपीट की घटना के बाद एक तरफ थाने में शिकायत दी गई है, तो दूसरी तरफ कुछ कर्मचारियों ने नगर परिषद परिसर में टेंट लगाकर हड़ताल शुरू कर दी है। पूरे मामले ने अब प्रशासन और नगर परिषद दोनों को असहज स्थिति में ला खड़ा किया है। मिली जानकारी के अनुसार, भीम कोल नगर परिषद में कचरा वाहन चालक हैं। घटना वाले दिन मेला प्रांगण में रोजमर्रा के काम को लेकर कर्मचारी आपस में चर्चा कर रहे थे। बताया जा रहा है कि कचरा उठाने के लिए बेलचा (फावड़ा) की कमी को लेकर सुपरवाइजर से बात हो रही थी। भीम कोल का कहना है कि उन्होंने सिर्फ इतना कहा था कि जल्दी बेलचा दिला दिया जाए ताकि काम समय पर हो सके और कर्मचारी नाश्ता करने जाने से पहले कचरा उठवा लिया जाए। इसी बात को लेकर माहौल अचानक गरमा गया। आरोप है कि सफाई कर्मचारी प्रतीक, योगेश, दीपक (बुद्धू) और दिलीप ने गाली-गलौज शुरू कर दी और बात धक्का-मुक्की तक पहुंच गई। आसपास मौजूद रामू जनवार, दिनेश चौधरी, मुकेश चौधरी और शंभू ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की।
भीम कोल का आरोप है कि वह विवाद से बचने के लिए अपनी गाड़ी में जाकर बैठ गए थे, लेकिन उन्हें वहां से भी जबरन नीचे उतार लिया गया और दोबारा मारपीट की गई। लात-घूंसे, जूते से मारने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं। इसी दौरान रामू जनवार जब मोबाइल से वीडियो बनाने लगे तो उनका मोबाइल भी छीने जाने की बात सामने आई है। बाद में कुछ और कर्मचारियों ने बीच-बचाव किया, तब जाकर स्थिति काबू में आई। घटना की खबर फैलते ही नगर परिषद अध्यक्ष-पति सुरेंद्र गुप्ता

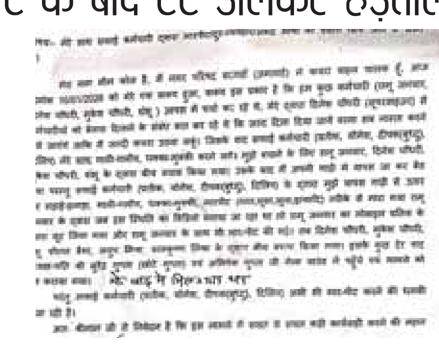

(छोटे गुप्ता) और अभिषेक गुप्ता मौके पर पहुंचे और किसी तरह माहौल शांत कराया। हालांकि शिकायतकर्ता का कहना है कि मामला वहीं खत्म नहीं हुआ, बल्कि अभी भी उन्हें धमकियां दी जा रही हैं। घटना के बाद भीम कोल ने थाना चचाई और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को लिखित आवेदन देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि वे अपनी ड्यूटी कर रहे थे, फिर भी उनके साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार किया गया। इधर, मामला एक और मोड़ ले चुका है। आरोप है कि जिन कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत दी गई है, उनके समर्थकों ने नगर परिषद परिसर में टेंट डालकर हड़ताल शुरू कर दी है। प्रार्थी पक्ष इसे प्रशासन पर दबाव बनाने की कोशिश बता रहा है। उनका कहना है कि इस तरह का प्रदर्शन शासकीय कामकाज में बाधा डाल रहा है और आम जनता को परेशानी हो रही है। नगर परिषद परिसर में टेंट और धरना को लेकर लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। कुछ लोग इसे कर्मचारियों की एकजुटता बता रहे हैं, तो कुछ इसे जांच प्रभावित करने की रणनीति मान रहे हैं। अब पूरा मामला प्रशासन के पाले में है। थाना चचाई और नगर परिषद प्रबंधन की ओर से क्या कार्रवाई होती है, यह आने वाले दिनों में साफ होगा। फिलहाल बरगवाँ-अमलाई नगर परिषद में माहौल गरम है और सबकी नजर जांच और प्रशासनिक फैसले पर टिकी हुई है।

अमरकंटक के मृत्युंजय आश्रम में तेलुगू भाषा में मां नर्मदा महात्म की दिव्य सप्तदिवसीय कथा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पावन तीर्थ नगरी अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम में आदिशक्ति परांमबा भगवती मां नर्मदा जी के दिव्य महात्म का सप्त दिवसीय कथा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक गरिमा के साथ सम्पन्न हो रहा है। 21 फरवरी से 27 फरवरी तक आयोजित यह अलौकिक कथा तेलुगू भाषा में त्रिभाषा सहस्त्रावधानी, प्रकांड विद्वान पंडित वददी परत्ती पद्माकर जी द्वारा भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत की जा रही है। इस पावन अवसर पर आश्रम परिसर निरंतर वेद-मंत्रों की गूंज, हरिनाम संकीर्तन और नर्मदा स्तुति से आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत बना हुआ है। कथा के प्रत्येक दिवस में मां नर्मदा की उत्पत्ति, तप, महिमा, तीर्थ स्वरूपता, मोक्षदायिनी कृपा तथा भक्त-जीवन में उनके आध्यात्मिक महत्व का विस्तारपूर्वक वर्णन किया जा रहा है। श्रद्धालु भक्ति-भाव से कथा श्रवण कर आत्मिक शांति, सद्बुद्धि और जीवन में धर्ममय मार्ग का संकल्प ग्रहण कर रहे हैं। नर्मदा महात्म कथा के श्रवण हेतु आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना से लगभग 400 से अधिक भक्त-श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचे हैं। दूर-दराज से आए श्रद्धालु प्रातःकाल नर्मदा उद्गम क्षेत्र में पूजन-अर्चन कर कथा स्थल पर उपस्थित होकर दिव्य प्रवचनों का रसास्वादन कर रहे हैं। तेलुगू भाषाई भक्ति परंपरा में प्रस्तुत यह कथा सांस्कृतिक समन्वय और आध्यात्मिक एकता का अनुपम उदाहरण बन रही है।

कथाव्यास पंडित वददी परत्ती पद्माकर जी महाराज अपनी धर्मपत्नी रंगबत्ती जी, शिष्यों एवं अनुयायियों के साथ अमरकंटक पधारे हैं। उनके सान्निध्य में आयोजित कथा में हैदराबाद, विशाखापट्टनम तथा दक्षिण गोदावरी क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागी बने हुए हैं। आश्रम में प्रतिदिन दीप प्रज्ज्वलन, गुरु वंदना, नर्मदा आरती, भजन-कीर्तन और सामूहिक प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का आरंभ होता है। कथा व्यास द्वारा नर्मदा महिमा का वर्णन करते हुए बताया जा रहा है कि मां नर्मदा केवल एक नदी नहीं, अपितु सनातन संस्कृति की जीवंत आध्यात्मिक धारा हैं, जिनका स्मरण मात्र से मन, वचन और कर्म की पवित्रता का मार्ग प्रशस्त होता है। सप्ताह भर चलने वाला यह धार्मिक अनुष्ठान न केवल श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक साधना का अवसर है, बल्कि राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता, भाषाई समरसता और सनातन परंपरा की अखंड ज्योति का भी प्रतीक बनकर उभर रहा है। मृत्युंजय आश्रम में इन दिनों भक्ति, साधना और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है, जहाँ प्रत्येक श्रद्धालु मां नर्मदा की कृपा प्राप्त कर आत्मिक शांति का अनुभव कर रहा है।

लिखित वादा महज छलावा, किसानों का आक्रोश बना ज्वालामुखी 16 मार्च से आर-पार की लड़ाई को तैयार किसान, खदान में प्रवेश वर्जित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के रामपुर बटुरा में खुली खदान परियोजना से प्रभावित किसानों का धैर्य अब जवाब दे चुका है। वर्षों पहले किए गए लिखित वादे आज भी कागजों में कैद हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई धूल, प्रदूषण, पानी के संकट, दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य गिरावट के रूप में गांव-गांव में फैल चुकी है। रामपुर बटुरा ही नहीं, बल्कि बेलिया, खाडा, कोदेयली, खैरबना बैरिहा, पड़रिया, गिरवा, देवरी, हर्रीडीह, मालया, खमरोध, बिछिया, अतरिया, बटुरा सहित अनेक अधिग्रहित गांवों के किसान एक स्वर में अब सवाल कर रहे हैं कि क्या विकास का अर्थ विस्थापन, बेरोजगारी और बीमारी ही है क्या ? किसानों की मांगें स्पष्ट हैं कि संपूर्ण रोजगार, संपूर्ण मुआवजा और विस्थापन की कार्यवाही एक साथ हो। सरकारी विद्यालयों का स्थानांतरण जरूरी बताया गया है क्योंकि बच्चों की जान जोखिम में है। निजी कंपनियों में स्थानीय बेरोजगारों व भू-स्वामियों के आश्रितों को प्राथमिक रोजगार, लंबित फाइलों का त्वरित निपटारा और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार यही इस आंदोलन की रीढ़ है। चेतावनी साफ है कि समाधान नहीं, तो 16 मार्च से अनिश्चितकालीन आंदोलन तय है अब किसान आर पार की लड़ाई का मूड बना लिए है।

रोजगार-मुआवजा-विस्थापन तीन मांगें, एक संघर्ष

पीड़ित किसानों का कहना है कि अधिग्रहण के बाद रोजगार और मुआवजे की प्रक्रिया बिखरी हुई है, जिससे परिवार दर-बदर हैं। वे मांग कर रहे हैं कि संपूर्ण रोजगार, संपूर्ण मुआवजा और विस्थापन ये तीनों कार्य एक साथ पूरे किए जाएं, ताकि अनिश्चितता खत्म हो सके। निजी कंपनियों के आगमन पर स्थानीय बेरोजगारों को प्राथमिकता और भू-स्वामियों के आश्रितों को स्थानीय स्तर पर रोजगार देने की शर्त अनिवार्य हो। 329, 151, 143, 20, 288, 349, 14, 58, 274 जैसी लंबित फाइलों सहित अन्य पेंडिंग मामलों का तत्काल निस्तारण आंदोलन की प्रमुख शर्त है। किसानों का तर्क है कि बिना समयबद्ध निर्णय के विकास सिर्फ आंकड़ा बनकर रह जाएगा।

धूल-प्रदूषण-पानी का संकट, गांवों की सांस पर संकट

खुली खदान के आसपास बसे गांवों में धूल और प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट गहरा दिया है। पानी की कमी, सड़क और चिकित्सा सुविधाओं का अभाव, तथा दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाएं आम जनजीवन को प्रभावित कर रही हैं। किसानों ने मांग रखी है कि बिजली, पानी, स्वास्थ्य, सड़क और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का तत्काल विस्तार हो, विशेषकर सरकारी विद्यालयों का स्थानांतरण आवश्यक बताया गया है, क्योंकि प्रदूषण और भारी वाहनों के बीच बच्चों की सुरक्षा खतरे में है। आंदोलनकारियों का कहना है कि यदि पर्यावरणीय और सामाजिक दायित्व पूरे नहीं हुए, तो विकास की कोई भी परियोजना जनहितकारी नहीं कही जा सकती है।

करो या मरो का ऐलान, राष्ट्रीय नेतृत्व की दस्तक

किसानों ने स्पष्ट किया है कि यह आंदोलन अहिंसक सत्याग्रह के मार्ग पर होगा, पर दबाव निर्णायक रहेगा। देशभर के किसान आंदोलनों का नेतृत्व करने वाले विभिन्न राज्यों से आंदोलनकारी पहुंचेंगे और नारा होगा "करो या मरो।" आंदोलन की प्रेरणा 1974 की जनचेतना से ली गई है, जब लोक नायक जयप्रकाश नारायण की आवाज गूंजी थी कि "कुर्सी खाली करो।" किसानों ने पहले ही देश/प्रदेश सरकार, एसईसीएल प्रबंधन (बिलासपुर मुख्यालय), सोहागपुर एरिया और कोयला मंत्रालय को पत्राचार किया है। चेतावनी दो टूक है कि समाधान नहीं हुआ तो खदान क्षेत्र में प्रवेश वर्जित रहेगा और 16 मार्च से अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू होगा।